पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी सामान्य 2

(कहानी, छायावादोत्तर काव्य एवं लेखन)

पाठ्यक्रम

(शैक्षणिक वर्ष : 2009–2010,2010–2011,2011–2012)

उद्देश्य :–

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान देना।
4. छात्रों को विज्ञापन, अनुवाद, भेंटवार्ता, साक्षात्कार आदि हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी मुहावरों का ज्ञान कराना।

अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. कहानी समीक्षा के विविध आयाम उद्घाटित करना।
3. पत्रों के नमूनों का छात्रों द्वारा संकलन।
4. वाक्यशुध्दिकरण पर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं का कक्षा में आयोजन।
5. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग।

प्रथम सत्र

पाठ्यपुस्तक

कथा विहार : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन/डॉ. वीणा मनचंदा

प्रकाशक : स्वर्ण जयंती प्रकाशन, काबुल नगर, शाहदरा, दिल्ली,110032

- **केवल निम्नलिखित कहानियाँ**
  1. बडे घर की बेटी : प्रेमचंद
  2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
  3. परदा : यशपाल
  4. अमृतसर आ गया है : भीष्म साहनी
  5. ब्रह्मराक्षस का शिष्य : गजानन माधव मुक्तिबोध
  6. ठेंस : फणीश्वरनाथ रेणु
  7. दिल्ली में एक मौत : कमलेश्वर
  8. पातक नाशनम् : डॉ. दीप्ति गुप्ता
  9. स्पर्श : डॉ. प्रभा माथुर
  10. कुमाता न भवति : डॉ. ऋचा शर्मा

- **पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम**
  1. विज्ञापन लेखन
  2. भेंटवार्ता तथा प्रतिवेदन लेखन
  3. साक्षात्कार देना
  4. अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी)

द्वितीय सत्र

पाठ्यपुस्तक

काव्यकुसुमावली (छायावादोत्तर काव्य) संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन/डॉ. वीणा मनचंदा

प्रकाशक : अरूणोदय प्रकाशन, 21 ए, अन्सारी रोड, नई दिल्ली 2

- **केवल निम्नलिखित कवियों की कविताएँ**
  1. अज्ञेय –
     1) सूनी साँझ एक
     2) मुझे आज हँसना चाहिए
     3) ताजमहल की छाया में
  2. नागार्जुन
     1) बादल को घिरते देखा है
     2) प्रेत का बयान
     3) उनको प्रणाम
  3. भवानीप्रसाद मिश्र
     1) गीत फरोश
     2) सन्नाटा
     3) वाणी की दीनता
  4. शिवमंगल सिंह –'सुमन'
     1) मेरा देश जल रहा, कोई नहीं बुझानेवाला
     2) हमें न बाँधो प्राचीरों में
     3) जय हो

- **पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम**
  1) व्यावसायिक पत्र
  2) वाक्य–शुध्दिकरण–सकारण

संदर्भ ग्रंथ

1. उत्तर शती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन (अन्नपुर्णा प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन : संपा. डॉ. सुरेश बाबर (अन्नपुर्णा प्रकाशन, कानपुर)
3. समकालीन हिंदी कहानियों में नारी के विविध रूप : डॉ. घनश्यामदास भुतडा (अतुल प्रकाशन, कानपुर)
4. छायावादोत्तर हिंदी काव्य में बिम्बविधान : उषा जैन (विकास प्रकाशन, कानपुर)
5. नागार्जुन – कवि और कथाकार : कवि कथाकार : सत्यनारायण (रचना प्रकाशन, कानपुर)
6. हिंदी के प्रतिनिधि कवि– डॉ. दयानंद शर्मा
7. कहानी नयी कहानी – डॉ. नामवर सिंह
8. नयी कहानी की भूमिका– कमलेश्वर
9. नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति– देवीशंकर अवस्थी
10. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. पुष्पपाल सिंह
11. अज्ञेय से अरूण कमल तक – डॉ. संतोषकुमार तिवारी
12. नयी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ. संतोषकुमार तिवारी
13. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– द्वारकाप्रसाद सक्सेना
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम–डॉ. अंबादास देशमुख
15. व्यावहारिक हिंदी भाग 1 और 2 – डॉ. ओमप्रकाश मित्तल
16. प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्र लेखन : डॉ. शिवाकांत गोस्वामी (विद्या प्रकाशन, कानपुर–6)

17. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण एवं रचना – प्रा. सौ. उमा जाधव
18. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन–विधि : राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
19. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण : डॉ. द्विजराम यादव (साहित्य रत्नाकर, रामबाग कानपुर)
20. हिंदी और उसका व्यवहार : डॉ. वसंत मोरे (फडके प्रकाशन, कोल्हापुर)
21. व्यावहारिक हिंदी : डॉ. ओम प्रकाश (राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
22. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाशन, पुणे
23. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

द्वितीय वर्ष कला
हिंदी सामान्य 2
(कहानी, छायावादोत्तर काव्य एवं लेखन)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन
प्रथमसत्र

समय 2 घंटे (कुल अंक 60)

प्रश्न	1. कहानी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	(2 में से 1)	15
	अथवा		
	कहानी पर लघुत्तरी पश्न	(5 में से 3)	
प्रश्न	2. कहानी पर ससंदर्भ व्याख्या	(4 में से 3)	15
प्रश्न	3. कहानी पर टिप्पणियाँ	(3 में से 2)	10
प्रश्न	4. अ) विज्ञापन लेखन	(2 में से 1)	05
	आ) भेंटवार्ता / प्रतिवेदन	(2 में से 1)	05
	इ) साक्षात्कार देना	(2 में से 1)	05
	ई) अनुवाद–अंग्रेजी से हिंदी में		05

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन
वार्षिक परीक्षा

समय 3 घंटे (कुल अंक 80)

प्रश्न	1. कहानी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	(2 में से 1)	16
प्रश्न	2. कविता पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	(2 में से 1)	16
प्रश्न	3. ससंदर्भ व्याख्या (कविता पर)	(4 में से 2)	16
प्रश्न	4. टिप्पणियाँ		
	अ) कहानी पर	(3 में से 2)	08
	आ) कविता पर	(3 में से 2)	08
प्रश्न	5. अ) विज्ञापन लेखन		08
	अथवा		
	व्यावसायिक पत्र		
	आ) वाक्य शुध्दिकरण	(6 में से 4)	08

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष साहित्य : हिंदी विशेष – 1

काव्यशास्त्र

उद्देश्य

1. छात्रों को काव्य, साहित्य की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य – हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों का ज्ञान कराना।
2. छात्रों को काव्य के तत्व, काव्य के भेद तथा शब्दशक्ति का ज्ञान कराना।
3. छात्रों को अलंकार, छंदो के स्वरूप के साथ उनका सोदाहरण परिचय कराना।
4. छात्रों को गद्य–भेदों के साथ नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी देना।
5. छात्रों को रस का स्वरूप, रस के अंगों एवं भेदों का परिचय देना।
6. छात्रों को आलोचना के स्वरूप, आलोचना की उपयोगिता और आलोचक के गुणों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक अध्ययन।
2. काव्यशास्त्र के अनुप्रयोगात्मक स्वाध्याय।
3. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
4. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग।
5. काव्यशास्त्र पर संगोष्ठी का आयोजन।

प्रथम सत्र

पाठ्यक्रम

1. काव्य तथा साहित्य का अर्थ, स्वरूप, काव्य तथा साहित्य की सर्वाधिक प्रचलित संस्कृत, हिंदी तथा अंग्रेजी की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषाएँ।
2. काव्य–हेतु (कारण) और काव्य प्रयोजन (उद्देश्य) का सामान्य परिचय।
3. काव्य के तत्व – भाव–तत्व, बुद्धि–तत्व, कल्पना–तत्व, शैली तत्व।
4. काव्य के भेद (प्रकार)

   काव्य के निम्नलिखित भेद :

   1. प्रबंध काव्य : महाकाव्य , खंडकाव्य
   2. मुक्तक काव्य : गीतिकाव्य, गद्यकाव्य

5. शब्दशक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना का सामान्य परिचय।
6. अलंकार अ) अलंकार का स्वरूप, काव्य में अलंकार का स्थान।

   आ) निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय

   क) शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति,

   ख) अर्थालंकार : उपमा, दृष्टांत, उदाहरण, रूपक, विरोधाभास, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान, अर्थांतरन्यास

द्वितीय सत्र

पाठ्यक्रम

1. गद्य के भेद : उपन्यास, कहानी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी। (इन विधाओं का केवल तात्विक परिचय और पारस्परिक तुलना।)
2. नाटक : अ) परिभाषा और तत्व (भारतीय तथा पाश्चात्य तत्वों का स्थूल परिचय)

    आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद : रेडियो, नाटक, दूरदर्शन नाटक का तात्विक परिचय।

    इ) गीतिनाट्य : स्वरूप एवं तात्विक परिचय।

    ई) एकांकी : परिभाषा और तत्व, नाटक और एकांकी की तुलना।

3. रस : अ) रस की परिभाषा एवं स्वरूप

    आ) रस के अंग : स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव

    इ) रस के भेद : श्रृंगार रस, करूण रस, वीर रस और हास्य रस

4. आलोचना : स्वरूप, उद्देश्य एवं आवश्यकता तथा आलोचक के गुण
5. छंद : अ) काव्य में छंद का स्थान

    आ) वर्णिक और मात्रिक छंदों में अंतर

    इ) निम्नलिखित छंदों का सोदाहरण परिचय

क) मात्रिक छंद : दोहा, सोरठा, रोला, हरिगीतिका, चौपाई, छप्पय, कुंडलिया।

ख) वर्णिक छंद : मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, द्रुतविलंबित, कवित्त (मनहरण, घनाक्षरी), सवैया (दुर्मिल, मत्तगयंद)

संदर्भ ग्रंथ

1. काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्व : आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. साहित्य विवेचन : क्षेमचंद्र सुमन/योगेंद्र कुमार मल्लिक
4. साहित्यशास्त्र परिचय : डॉ. सुधाकर कलवडे
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन/प्रा. महावीर कंडारकर (अन्नपूर्ण प्रकाशन, कानपुर)
7. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. जितेंद्रनाथ मिश्र
8. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह
10. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्वांत : डॉ. कृष्णदेव झारी
11. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्वांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल
12. समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंड : डॉ. रामसागर त्रिपाठी
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्वांत : डॉ. कृष्णदेव शर्मा
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. यतींद्र तिवारी
15. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवराजसिंह भाटी
16. काव्य–प्रदीप : पं. रामबहोरी शुक्ल
17. काव्यांग प्रकाश : डॉ. विजयपाल सिंह
18. काव्यांग–कौमुदी : पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
19. भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन : डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
20. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सत्यदेव चौधरी
21. काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन/डॉ. गोरक्ष थोरात
22. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद

द्वितीय वर्ष साहित्य : हिंदी विशेष – 1

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रथम सत्र परीक्षा

समयः 2 घंटे **पूर्णांक : 60**

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्र. 1.	संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (10 में से 7)	14
प्र. 2.	टिप्पणियाँ (अलंकारों का सोदाहरण परिचय) (4 में से 2)	08
प्र. 3.	लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3)	18
प्र. 4.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	20

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्र. 1.	संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (13 में से 10)	20
प्र. 2.	टिप्पणियाँ (छंदों का सोदाहरण परिचय)(4 में से 2)	10
प्र. 3.	लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	20
प्र. 4.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (5 में से 3)	30

(विशेष सूचना : वार्षिक परीक्षा के प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत प्रश्न प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।)

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी विशेष – 2

(नाटक, उपन्यास तथा मध्ययुगीन काव्य)

उद्देश्य

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडो के आधार पर छात्रों में समीक्षण क्षमता निर्माण करना।
2. छात्रों की हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता वृद्धिंगत करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. साहित्य कृतियों के माध्यम से छात्रों को साहित्य के शिल्प एवं सौंदर्य से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण
2. नाटक का छात्रों द्वारा मंचन
3. छात्रों द्वारा काव्यपाठ
4. समूह चर्चा
5. दृक–श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग

प्रथम सत्र

पाठ्यक्रम

पाठयपुस्तके :

1. नाटक : बकरी– सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

   प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, 21 ए / दरियागंज, नई दिल्ली–1100022

2. काव्य–कुंज (मध्ययुगीन काव्य) :–

   संपादक : डॉ. जे. आर. बोरसे, डॉ. ऋचा शर्मा

   प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, 322, नई बस्ती, कीडगंज इलाहाबाद

केवल निम्नलिखित कवि –

1. कबीर (संपूर्ण)
2. जायसी (संपूर्ण)
3. सूरदास – केवल प्रारंभिक दस पद

द्वितीय सत्र

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तके :

1. उपन्यास : दौड – ममता कालिया

   प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, 21 ए / दरियागंज, नई दिल्ली–1100022

2. काव्यकुंज – सं. डॉ. जे. आर. बोरसे/डॉ. ऋचा शर्मा

   ('काव्यकुंज' में से केवल मीराँबाई तथा बिहारी)

मीराँबाई : प्रारंभिक दस पद

बिहारी : प्रारंभिक 20 दोहे

संदर्भ ग्रंथ

1. नाटय शिल्प विधि का विकास – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – जयदेव तनेजा
3. हिंदी नाटक – डॉ. बच्चन सिंह (राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली)
4. नाटककार सर्वेश्वर – धीरेंद्र शुक्ल
5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का रचना कर्म – कृष्णदत्त पालीवाल (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. सर्वश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य – कल्पना अगरवाल
7. समकालीन हिंदी उपन्यास : डॉ. विवेकी राय (राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद)
8. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष : रामदरश मिश्र (गिरनार प्रकाशन, महेसाना, गुजरात)
9. ममता कालिया : व्यक्तित्व और कृतित्व – फैमिदा विजापुर
10. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा)
11. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : डॉ. सुरेश अगरवाल
12. कबीर की भक्ति भावना : विलियम द्वायर (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
13. कबीर – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
14. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
15. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
16. जायसी का पद्मावत – गोविंद त्रिगुणायत
17. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – शिवसहाय पाठक
18. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
19. सूर साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
20. सूरदास – आ. रामचंद्र शुक्ल
21. सूरदास – डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा

22. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
23. सूरदास और उनका साहित्य : डॉ. मुन्सीराम शर्मा
24. सूरदास : एक पुनरावलोकन – डॉ. ओम प्रकाश शर्मा (निराला प्रकाशन, पुणे)
25. मीरांबाई – डॉ. कृष्णलाल
26. मीरांबाई – डॉ. प्रभात
27. मीरांबाई और उनकी पदावली – डॉ. देशराज सिंह भाटी
28. मीरांबाई का काव्य – मुरलीधर श्रीवास्तव
29. बिहारी और उनका साहित्य : डॉ. हरवंशलाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री (भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ)
30. बिहारी काव्य का मूल्यांकन : किशोरी लाल (साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)
31. बिहारी मीमांसा – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
32. बिहारी सत्सई : वैज्ञानिक समीक्षा – गणपतीचंद्र गुप्त
33. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रथम सत्र

समय : 2 घंटे **पूर्णांक : 60**

प्र. 1. नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	15
प्र. 2. 'काव्यकुंज' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	15
प्र. 3. ससंदर्भ व्याख्या	
अ) नाटक पर – (2 में से 1)	07
आ) काव्यकुंज पर – (2 में से 1)	07
प्र. 4. टिप्पणियाँ	
अ) नाटक पर (2 में से 1)	08
आ) काव्यकुंज पर (2 में से 1)	08

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

प्र. 1. उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	16
प्र. 2. मध्ययुगीन काव्य पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	
अथवा	
टिप्पणियाँ (4 में से 2)	16
प्र. 3. ससंदर्भ व्याख्या	
अ) उपन्यास पर – (2 में से 1)	08
आ) मीराँ अथवा बिहारी – (2 में से 1)	08
प्र. 4. नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा टिप्पणियाँ	
अ) नाटक पर (3 में से 2)	16
प्र. 5. टिप्पणियाँ : उपन्यास पर (3 में से 2)	16